शिखर 3

पाठ 4. 90 साल का चूहा

पाठ का उद्देश्य

प्रस्तुत पाठ का उद्देश्य बच्चों का मनोरंजन करना एवं उन्हें ज्ञानवर्धक जानकारी उपलब्ध कराना है। कार्टून बच्चों का पसंदीदा कार्यक्रम होता है। इस पाठ के द्वारा बच्चों को इन्हें बनाने में लगी मेहनत और लगन के बारे में बताया गया है।

पाठ का सारांश

90 साल पहले रेलवे स्टेशन पर एक यात्री ने दो चूहों को रोटी के एक टुकड़े के लिए एक-दूसरे के पीछे भागते देखा। ट्रेन चल दी परंतु यात्री उन चूहों को भूल न सका। एक रात उसने उन चूहों की तस्वीरें बनानी शुरू कर दीं। इस यात्री का नाम वॉल्ट डिज़्नी था जो पेशे से चित्रकार और लेखक था। ये दो चूहे आज पूरी दुनिया में मिकी माउस कार्टून के नाम से प्रसिद्ध हैं। डिज़्नी ने इन चूहों पर कई कार्टून एनीमेशन फ़िल्में बनाईं। इन फिल्मों ने बच्चों एवं बड़ों सभी का मनोरंजन किया। बड़े चूहे का नाम 'मिकी' और छोटे चूहे का नाम 'विली' रखा गया। वॉल्ट डिज़्नी की पहली एनीमेशन फ़िल्म 'स्टीमबोट विली' है। धीरे-धीरे डिज़्नी के दोनों पात्र पूरी दुनिया में बच्चों के चहेते बन गए।

वॉल्ट डिज़्नी का जन्म 5 दिसंबर, 1901 में शिकागो इलिनॉइस, अमेरिका में हुआ। इनका जीवन बहुत संघर्षपूर्ण रहा परंतु इन्होंने अपनी कला को नहीं छोड़ा। वॉल्ट ने 'डिज़्नीलैंड' नाम से एक थीम पार्क बनवाया जिसे देखने देश-विदेश से हज़ारों लोग आते हैं। कार्टून और एनीमेशन की दुनिया के इस महान शख़्स का निधन 15 दिसंबर, 1966 में हुआ। वॉल्ट डिज़्नी हमेशा के लिए अपने डिज़्नीलैंड में अमर हो गए।

अध्यापन संकेत

पाठ वाचन से पूर्व बच्चों से पाठ से संबंधित चर्चा करें। उनसे कुछ प्रश्न पूछें, जैसे-क्या उन्हें कार्टून देखना पसंद है? उनका पसंदीदा कार्टून कौन-सा है? क्या उनके माता-पिता भी उनके साथ कार्टून देखते हैं? उन्हें वॉल्ट डिज़्नी के बारे में बताएँ। पाठ का आदर्श वाचन करें तथा बच्चों को पाठ का मौन वाचन करने के लिए प्रेरित करें। बच्चों से पूछें एवं समझाएँ–

- बच्चों से कुछ कार्टून पात्रों के नाम पूछें।
- उन्हें बताएँ कि मेहनत और लगन से किया गया हर काम सफल होता है।
- पाठ के कठिन शब्दों के अर्थ समझाएँ।

डिजिटल (Digital) के माध्यम से पाठ की ई-बुक विद्यार्थियों को दिखाकर पाठ के प्रत्येक अंग का स्पष्टीकरण कीजिए। गतिविधियों की दुनिया से परिचय भी कराइए।